संस्कृति विभाग, उ0प्र0 द्वारा आयोजित

बेगम अख़्तर पुरस्कार अलंकरण समारोह

श्री अखिलेश यादव
मा0 मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

की प्रेरणा से

श्रीमती अरूण कुमारी कोरी
मा0 राज्यमंत्री (स्व.प्र.), संस्कृति विभाग, उ0प्र0

के कर-कमलों द्वारा

श्री सुधीर नारायण

एवं

श्री मिर्ज़ा साबिर बेग

को

'बेगम अख़्तर पुरस्कार'

से अलंकृत किया जायेगा।

इस अवसर पर अलंकृत महानुभावों द्वारा
बेगम अख़्तर की याद में विशिष्ट प्रस्तुतियाँ भी दी जायेंगी।

दिनांक : 29 दिसम्बर, 2016 | सायं : 6.00 बजे से

स्थान :
संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह,
विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ में

आप सादर **आमंत्रित** हैं।

twitter.com/cmofficeup facebook.com/cmouttarpradesh youtube.com/user/upgovtofficial upnews360.in

http://information.up.nic.in

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

शुक्रवार , 30 दिसम्बर 2016
हिन्दुस्तान
24

सुधीर और साबिर को बेगम अख्तर अवार्ड

संगीत नाटक अकादमी

● सुधीर नारायण आगरा और मिर्जा साबिर बेग रामपुर घराने से रखते हैं ताल्लुक

● सम्मान स्वरूप विभूतियों को पांच-पांच लाख रुपये की धनराशि दी गई

लखनऊ | निज संवाददाता

उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग की ओर से दूसरा बेगम अख्तर अवार्ड आगरा के गजलकार सुधार नारायण एवं उरई के गायक मिर्जा साबिर बेग को दिया गया। संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह में हुए बेगम अख्तर अवार्ड-2015-16 समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संस्कृति मंत्री अरुणा कुमारी कोरी मौजूद रहीं।

अरुणा कुमारी ने सुधार नारायण एवं मिर्जा साबिर बेग को पुरस्कार स्वरूप पांच-पांच लाख रुपये की धनराशि, अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

इससे पूर्व राष्ट्रीय कथक संस्थान के छात्राओं ने 'आज इबादत रू-ब-रू' हो गई गीत से सूफी रंग को कथक नृत्य के साथ दर्शाया। इसके साथ ही कलाकारों ने अमीर खुसरों की रचना 'मोहे अपने ही रंग में रंग दो निजाम' पर सूफी रंग बिखेरा। कलाकारों में आकृति, काव्या, मोनिका, देवांशी, गोविन्द, अंजुल एवं अविनाश शामिल रहे। समारोह में संस्कृति सचिव हरिओम, प्रथम बेगम अवार्ड से सम्मानित गायिका संगीता झिंगरन, जरीना बेगम, मौजूद रहे।

परिचयः

सुधीर नारायण- 30 साल से संगीत की सेवा कर रहे हैं। आगरा घराने से हैं। गुरु शब्बीर अहमद से संगीत की तालीम ली। इरशाद एवं इब्तिदा दो एलबम मशहूर हुई।
मिर्जा साबिर बेग-रामपुर घराने से ताल्लुक है। नत्थू लाल से तालीम ली। कई फिल्मों में संगीत दिया। बुन्देलखण्ड के मो. रफी के नाम से मशहूर है। 25 साल से संगीत में सक्रिय हैं।

संगीत नाटक अकादमी में गुरुवार को बेगम अख्तर अवार्ड बांटे गए

पुरस्कृत गायकों ने बिखेरे संगीत के रंग

समारोह में सम्मान से अलंकृत सुधीर नारायण और मिर्जा साबिर बेग ने सुरों के रंग बिखेरे। सुधीर नारायण ने गजल 'वो जो हम्मे तुम्मे करार था' पेश कर बेगम अख्तर की याद ताजा की। उन्होंने 'छा रही है काली घटा', 'छाप तिलक सब छीनी रे' से अपनी कला परिचय दिया। इसी क्रम में मिर्जा साबिर बेग ने गजल 'वफा के दीप मै कब से जलाए बैठा हूं', 'मोहब्बत ऐसी धड़कन है जो समझायी नहीं जाती' सुनाई।

विभाग ने सुधारी गलती

प्रथम बेगम अख्तर अवार्ड समारोह में सम्मानित विभूतियों को सम्मान तो दिया गया था लेकिन उनकी प्रस्तुति नहीं कराई गई थी। जिससे वभाग की काफी किरकिरी हुई थी। इस बात पर पिछले साल की अवार्डी सुनीता झिंगरन ने नाराजगी भी दर्ज कराई थी। इस बार हुए समारोह में विभाग ने अपनी पिछली गलती से सबक लेते बेगम अख्तर अवार्ड से सम्मानित दोनो विभूतियों सुधीर नारायण एवं मिर्जा साबिर बेग की प्रस्तुति कराई।

जिम्मेदारी और बढ़ गई

बेगम अख्तर अवार्ड से सम्मानित सुधीर नारायण और मिर्जा साबिर बेग ने कहा कि अजीम शख्सियत के नाम से अवार्ड मिलने के बाद से अब हमारी जिम्मेदारी और बढ़ गई है। अब हमें अपना काम और समर्पण बढ़ाना पढ़ेगा। क्योंकि हमारे नाम के साथ अब बेगम अख्तर अवार्ड का नाम भी जुड गया है।